an>

Title: Need to provide a relief package to the farmers of Bihar whose crops have been destroyed due to the recent cyclonic storm.

डॉ. भोला सिंह (बेगूसराय) : महोदय, मैं आसन के माध्यम से बिहार में जो विपदा और वेदना आई है, के बारे में बात करना चाहता हूं। संपूर्ण सदन खुदा की इबादत है। परंतु उस खुदा की इबादत नहीं है न उसे स्वर्ग की अराधना है, जो मंदिरों में रहता है, जो मस्जिदों में रहता है बल्कि उस खुदा की इबादत है जो लाखों करोड़ों झोपड़ियों में, मिट्टी के घरों में, ईट के घरों में हंसते हुए, रोते हुए, गम में, खुशी में, आधा पेट खाए हुए, भूख रहते हुए वह जमीन की ममता के साथ जुड़ा हुआ है। जब सारा आलम सोया हुआ था, रात्रि 10 बजे अंधेरे में चक्रवाती तुफान ने बेगुसराय, पूर्णया, किसनगंज, अररिया, मधुबनी और दरभंगा को उसके रग-रग को तोड़ डाला। प्रकृति लहूलुहान हो गयी है, लाखों घर उजड़ गये हैं, मकान की छत उड़ गयी है और किसान भूख और विपदा के आतंक से भरे हुए हैं। यह बात ठीक है कि हमारे देश के प्रधान मंत्री जी ने पीड़ा और वेदना को सम्वेदना ही नहीं दी, बल्कि जीने का आधार भी दिया। यह बात भी ठीक है कि देश के गृह मंत्री जी ने उस इलाके में हवाई सर्वेक्षण किया। उन्होंने वहां की पीड़ा देखी और सरकार की नीयत और नीति को ध्यान में रखते हुए कार्रवाई करने का आदेश दिया।

महोदय, बिहार चुनाव के साये में गुजर रहा है और वहां पर जनता वोट बैंक हो गयी है। अब वह परमेश्वर नहीं है। राहत के कार्यों में जिस ढंग से भेदभाव हो रहा है, जिस ढंग से वहां काम हो रहा है, वह एक अलग त्रासदी है। ...(व्यवधान)

उपाध्यक्ष महोदय, आपकी घंटी बजी है, लेकिन मेरे दिल में अलग ही घंटी बज रही है। ...(व्यवधान) कभी आपकी घंटी भी बजकर हमें याद दिला दे। ...(व्यवधान) इसलिए हुजूर, राजनीति शरीर का धर्म है, धर्म आत्मा की राजनीति है और संस्कृति आत्मा के कंपन की खुशबू है। इसलिए हम आपके माध्यम से भारत सरकार से आग्रह करना चाहते हैं कि वह बिहार को पीड़ा को देखते हुए राÂट्रीय स्तर पर बिहार की पीड़ा को सम्वेदना देकर, विशेÂा रूप से पैकेज देकर बिहार की जनता को राहत पहुंचाने का कदम उठाये। ...(व्यवधान) मैं आपके माध्यम से सरकार का ध्यान इस ओर दिलाना चाहता हूं। ...(व्यवधान)

HON. DEPUTY SPEAKER:

Shri Nishikant Dubey,

Shri Ashwini Kumar Choubey,

Shri P.P. Chaudhary are permitted to associate with the issue raised by Dr. Bhola Singh.